.

Anticipating Joy
अपेक्षित आनंद

Phi 3:17-4:1
फिलिप्पियों ३:१७-४:१

Bryan Chapel
ब्रायन चैपल

2.19.17
२. १९.१७

Scripture Reading: Returning to Philippians
शास्त्र पठन : फिलिप्पियों में लौटना

Responding to Gospel Structure
सुसमाचार के सांचे में वापस लौटना

Sermon Introduction: What makes Christianity different?
उपदेश का परिचय: ईसाई लोगो में क्या फर्क है ?

A Story of Forgiveness
क्षमा की कहानी

Key Question: How should we respond to grace?
मुख्य सवाल : हम कृपा की कैसी प्रतिक्रिया करें ?

I. Follow Godly Example (v17)
धार्मिक उदाहरण का अनुकरण करें (व् १७)

a Follow good examples (v17a)
अच्छे उदाहरण का अनुकरण करें (व् १७ आ)

b. Set good examples (v17b)
अच्छे उदाहरण को स्थापित करें (व् १७ बी)

Foundation level application: Providing godly guides to show the way
बुनियादी आवेदन : रास्ता दिखाने के लिए धार्मिक मार्गदर्शक को प्रदान करें

Faith building application: Providing humble hearts to share their wounds
विश्वास बढ़ाने का आवेदन : नम्र हिरद्य से ज़ख्म को धोये

II. Avoid Gospel Enemies (v 18-19)
सुसमाचार के दुश्मन को टाले (व् १८-१९)

What should we recognize about gospel enemies?
सुसमाचार के दुश्मन को कैसे टाले ?

a. Their end: Destruction (v18-19a)
अंत : विनाश

b. Their example: Earthly habits (v19b)
उनका उदाहरण : दुनिया की आदतें

i. Their God is their belly (v19)
उन का ईश्वर पेट है (व् १९)

ii. They glory in their shame (v19)
अपनी लज्ज़ा की बातों पर घमण्ड करते हैं (व् १९)

iii. The Earth is their focus (v19)
पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाए रहते हैं (व् १९)

III. Live as Heavenly Citizens
स्वर्ग के नागरिक की तरह जियें

What should we recognize about citizens
स्वर्ग के नागरिक को कैसे पहचाने

a. Their end: Glory (v20-21)
उनका अंत : महिमा (व् २०-२१)

i. Continuing Privileges (v20a)
ii. हमेशा के लिए विशेषाधिकार (व्:२० आ)

iii. Rescue Promised (v20b)
उद्धार का वादा (२० बी)

iv. Bodies Perfected (v21a)
v. देह का रूप सिद्ध (व्:२१ आ)

iv. Rule Pervasive (21b)
नियम के व्यापक (व्:२१ बी)

c. Their example Beloved Warriors (4:1)
प्रिय योद्धा के उदाहरण (४:१)